



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 297 | नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जून 28, 1984/आषाढ़ 7, 1906  
No. 297 | NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 28, 1984/ASADHA 7, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

उद्योग मंत्रालय  
(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 28 जून, 1984

का० आ० 468(अ) :—भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 405(अ), तारीख 20 जून, 1977; का०आ० 406 (अ), तारीख 16 जुलाई, 1979; का०आ० 556 (अ), तारीख 21 जुलाई, 1980; का०आ० 575(अ), तारीख 20 जुलाई, 1981, का०आ० 515(अ), तारीख 21 जुलाई, 1982; का० आ० 27 (अ), तारीख 19 जनवरी 1983; का० आ० 514 (अ), तारीख 21 जुलाई, 1983 और का० आ० 948 (अ), तारीख 31 दिसम्बर, 1983 के साथ पठित भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 375 (अ), तारीख 22 जुलाई, 1975 द्वारा मैसर्स ग्लुकोनेट लिमिटेड, कलकत्ता नामक औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध अंतिम वर्णित आदेश के निर्दिष्ट व्यक्तियों के निकाय ने 30 जून, 1984 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, अवधि के लिए ग्रहण किया था;

और, केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध उक्त व्यक्तियों के निकाय द्वारा 31 दिसम्बर, 1984 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और अवधि के लिए जारी रखा जाए;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियम) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18क की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि अंतिम वर्णित आदेश 31 दिसम्बर, 1984 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और अवधि के लिए प्रभावी बना रहेगा।

[का० सं० 6(3)/79-सी०यू०एस०]

ए०पी० सरवन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY  
(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 28th June, 1984

S.O. 468(E).—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of

Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. S.O. 375(E), dated the 22nd July, 1975, read with the Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) Nos. S.O. 405(E), dated the 20th June, 1977, S.O. 406(E), dated the 16th July, 1979, S.O. 556(E), dated the 21st July, 1980, S.O. 575(E), dated the 20th July, 1981, S.O. 515(E), dated the 21st July, 1982, S.O. 27(E), dated the 19th January, 1983, S.O. 514(E), dated the 21st July, 1983 and S.O. 948(E), dated the 31st December, 1983 the management of the Industrial undertakings known as Messrs Gluconate Limited, Calcutta, had been taken over by the body of persons referred to in the Order first mentioned for a period upto and inclusive of the 30th June, 1984 ;

And, whereas, the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking by the said body of persons should continue for a further period upto and inclusive of the 31st December, 1984 ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the Order first mentioned shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 31st December, 1984.

[F. No. 6(3)/79-CUS]

A. P. SARWAN, Jt. Secy.